

**STD-VII**

**PPT-2**

**SUBJECT- SANSKRIT**

**CHAPTER NO: 1**

**CHAPTER NAME: SUBHASITANI**

---

**CHANGING YOUR TOMORROW**

---

Website: [www.odmegroup.org](http://www.odmegroup.org)  
Email: [info@odmps.org](mailto:info@odmps.org)

Toll Free: **1800 120 2316**  
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

प्रथमः पाठः

सुभाषितानि





सामान्य उद्देश्य :

१. छात्राः सत्य दानादि च विषये सम्यक् जानन्ति ।

विशेष उद्देश्य :

१. संस्कृतभाषायाम् अभिरुचिः उत्पादनम् ।

२. भाषण- लेखन – पठन कौशलयोः रुच्यभिवर्धनम् ।

३. शब्दार्थज्ञान सम्पादनम्, इत्यादयः ।

**(ग) दाते तपसि शौर्ये च विज्ञाने विनये नये ।**

**विस्मयो न हि कर्तव्यो बहुरत्ना वसुन्धरा ॥ 3 ॥**

**सरलार्थः** संसार में एक से एक बढ़कर दानवीर, तपस्वी, वीर, उपासक और बुद्धिमान भरे हुए हैं। इसलिए मनुष्य को अपनी दानवीरता, तप, साहस, विज्ञान, विनम्रता और निति-निपुणता पर कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। निश्चय ही पृथ्वी अनेक रत्नों वाली है ।

शब्द	अर्थ
तपसि	तपस्या मे
शौर्ये	बल मे
च	अौर
विनये	विनम्रता मे
नये	नीति मे
विस्मयो	आश्चर्य
विज्ञाने	विशेष ज्ञान मे
न	नहीं
हि	निश्चय ही
कत्र्तव्यो	करना चाहिए
बहुरत्ना	अनेक रतनों वाली
वसुन्धरा	पृथ्वी

**(घ) सभिदेरेव सहासीत सभिदः कुर्वीत सगडतिम् ।**

**सभिदर्विवादं मैत्री च नासभिदः किञ्चिदाचरेत् ॥ 4 ॥**

**सरलार्थः** सज्जनो के साथ ही बैठना चाहिए । सज्जनो के साथ मित्रता करनी चाहिए । दुष्ट लोगो के साथ कुछ भी अाचरण नही करना चाहिए ।



शब्द	अर्थ
सभिदरेव	सज्जनो से ही
सहासीत	साथ बैठना चाहिए
कुर्वीत	करना चाहिए
सगडतिम्	संगति
सभिदर्विवादं	सदिविवाद (सज्जनो के साथ झगडा)
मैत्री	मित्र
च	आैर
नासभिद	दुष्ट लोगो के साथ नही
किञ्चिदाचरेत्	कुछ आचरण करना चाहिए

1. केन पृथ्वी धार्यते ?
2. सत्येन कः तपते ?
3. सर्वं केन प्रतिष्ठितम् ?
४. बहुरत्ना का ?
५. कुत्र विस्मयः न कर्तव्यः ?
६. तपसि इति पदे का विभक्तिः ?
७. बसुन्धरा इति पदस्य पर्यायपदं लिखत ।
८. सत्य इति पदस्य विपरित शब्दः लिखत ।



**ODM EDUCATIONAL GROUP**